बजट अनुमान 2010-2011

बजट अनुमान 2010-11 में व्यय में वर्ष 2009-10 के संशोधित अनुमानों की तुलना में 87,202 करोड़ रुपए (8.5%) की निवल बढ़ोतरी दिखाई गयी है ।आयोजना व्यय में 57,916 करोड़ रुपए (18.4%) की बढ़ोतरी हुई है। आयोजना-भिन्न व्यय के अन्तर्गत 29,286 करोड़ रुपए (4.1%) की बढ़ोतरी हुई। आयोजना-भिन्न तथा आयोजना व्यय अनुमानों में मुख्य मदों की घट-बढ़ को नीचे सारणी में दिया गया है:

(करोड़ रुपए)

		संशोधित 2009-10	बजट 2010-11	घट-बढ़ कमी(-)/ वृद्धि(+)
आयोजना-भिन्न				
1.	ब्याज संदाय और ऋण शोधन	219500	248664	(+) 29164
2.	रक्षा व्यय	136264	147344	(+) 11080
3.	राज्यों को आयोजना-भिन्न अनुदान (रक्षा को छोड़कर)	15338	31051	(+) 15713
4.	कृषि और सम्बद्ध सेवाएं	2275	3657	(+) 1382
5.	ब्याज सब्सिडी	2719	4416	(+) 1697
6.	जनगणना, सर्वेक्षण और सांख्यिकी	630	1537	(+) 907
7.	पेट्रोलियम सब्सिडी	14954	3108	(-) 11846
8.	किसानो के लिए कृषि ऋण माफी और ऋण राहत योजना	15000	12000	(-) 3000
9.	उर्वरक सब्सिडी	52980	49981	(-) 2999
10.	सरकारी उद्यमों के लिए आयोजना-भिन्न अनुदान और ऋण	3468	605	(-) 2863
11.	पुलिस	24590	22154	(-) 2436
12.	डाक संबंधी घाटा	5463	3596	(-) 1867
13.	अन्य (आयोजना-भिन्न) व्यय	213190	207544	(-) 5646
जोड़ (आयोजना-भिन्न) व्यय		**706371**	**735657**	(+) **29286**
आयोजना				
1.	केन्द्रीय आयोजना	229164	280600	(+) 51436
2.	राज्य और संघ राज्य क्षेत्र की आयोजनाओं के लिए केन्द्रीय सहायता	86012	92492	(+) 6480
जोड़ (आयोजना) व्यय		**315176**	**373092**	(+) **57916**
जोड़ व्यय (आयोजना+आयोजना भिन्न)		**1021547**	**1108749**	(+) **87202**

आयोजना-भिन्न

1. बाजार ऋणों पर ब्याज की अधिक अदायगी ।
2. रक्षा बलों के आधुनिकीकरण की वर्धित आवश्यकता के कारण।
3. सरकारी क्षेत्र के बैंकों का पुनःपूंजीकरण, बीआरडीबी के माध्यम से राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण, सीबीडीटी हेतु कार्यालय तथा रिहायशी भवनों की खरीद के लिए अधिक परिव्यय और पुलिस से संबंधित अनुसंधान पर पूंजीगत परिव्यय।
4. यह वृद्धि मुख्यतः दीर्घावधिक सहकारी ऋण संरचना के पुनरुज्जीवन के लिए अधिक आवंटन के कारण है।
5. यह वृद्धि ब्याज सहायता के अंतर्गत किसानों को अल्पावधिक ऋण मुहैया कराने के लिए अधिक आवंटन के कारण है।
6. यह वृद्धि मुख्यतः जनगणना से संबंधित प्रचालन के लिए अधिक आवंटन के कारण है।
7. यह कमी सं.अ. 2009-10 में तेल विपणन कंपनियों को अदा की गई अधिक पेट्रोलियम सब्सिडी के कारण है।
8. यह कमी किसानों के लिए कृषि ऋण माफी और ऋण राहत योजना हेतु कम जरूरत/प्रावधान के कारण है।
9. यह कमी मुख्यतः विकेंद्रित उर्वरकों की सब्सिडी जरूरत में संभावित कटौती के कारण कम सब्सिडी के प्रावधान के कारण है।
10. यह कमी मुख्यतः सं.अ. 2009-10 में आईटीआई लिमिटेड को एक बारगी वित्तीय राहत देने के कारण है।
11. यह कमी मुख्यतः छठे वेतन आयोग की सिफारिशों के लिए सं. अ. 2009-10 में प्रावधान किए जाने के कारण है।
12. यह कमी मुख्यतः छठे वेतन आयोग की सिफारिशों के लिए सं. अ. 2009-10 में प्रावधान किए जाने के कारण है।

आयोजना

1. यह समग्र वृद्धि अन्य बातों के साथ-साथ कृषि और सहकारिता, पशुपालन, डेरी और मछली पालन, रसायन और पेट्रोरसायन, नागरी विमानन, वाणिज्य, डाक, दूरसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, उपभोक्ता मामले, संस्कृति, डोनियर, पृथ्वी विज्ञान, पर्यावरण और वानिकी, आर्थिक कार्य, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुष, भारी उद्योग, गृह, आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन, स्कूली शिक्षा और साक्षरता, उच्चतर शिक्षा, सूचना और प्रसारण, श्रम और रोजगार, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, अल्पसंख्यक कार्य, नवीन तथा नवीकरणीय ऊर्जा, योजना, विद्युत,शहरी विकास, भूमि संसाधन, पेयजल आपूर्ति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान, जैव प्रौद्योगिकी, पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन, अंतरिक्ष, वस्त्रोद्योग, पर्यटन, जनजातीय कार्य, जल संसाधन, महिला और बाल विकास तथा रेलवे में वृद्धि के निवल प्रभाव तथा वित्तीय सेवाएं, शहरी विकास तथा युवा मामले तथा खेल में कमी के कारण है।
2. यह समग्र वृद्धि सामान्य केंद्रीय सहायता, विशेष केंद्रीय सहायता, त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि, जेएनएनयूआरएम, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, बुंदेलखण्ड क्षेत्र में सूखे से निपटने के लिए एसीए और सड़क तथा पूल के अंतर्गत वृद्धि के निवल प्रभाव के कारण है और कमी विशेष आयोजना सहायता, विदेशी सहायता प्राप्त परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता, 2005-06 के दौरान बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए परिसंपत्तियों के दीर्घावधिक पुनर्निर्माण सहायता तथा सुनामी पुनर्वास कार्यक्रम के कारण है।